पठन स्तर ३

गहरे सागर के अंदर!

Author: Rajiv Eipe

Illustrator: Rajiv Eipe

Translator: Rishi Mathur

ऊपर नीला आसमान और दूर तक सागर ठहरा - ठहरा, शांत... सुनसान! यही है गोताखोरी के लिए बेहतरीन दनि की पहचान! समुद्र की तली की अजब - गज़ब दुनयिा की सैर को नकिले छोड़ा कनिारा! 'बोट' छोटी सही... साहसकि अभयिान हमारा!

जहां हमें लगाना था गहराई में गोता, वहां पहुँच फिर से जांचा - परखा सारा साज - सामान। पैरों में पहने बतख के पैरों जैसे 'फ़िन', और चेहरे पर मुखौटे जैसा गोताखोरी वाला 'मास्क' चढ़ाया।

हम जैसे ही पहुंचे पानी के अंदर, 'येलोबैक फ़्यूज़लिीअर' मछलयिों के एक झुंड ने स्वागत कयिा पास आकर।

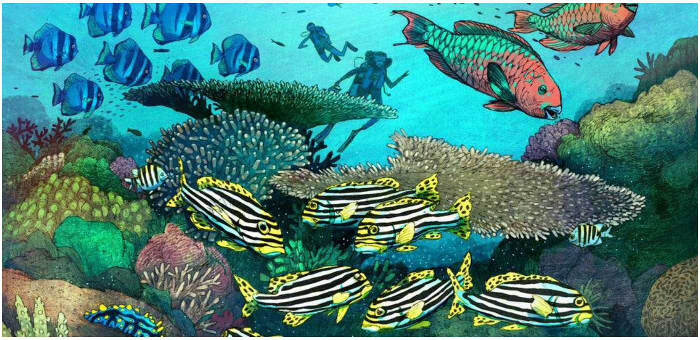

एक बड़े से 'टेबल कोरल' नाम के मूंगे के आसपास देखे कस्मि - कस्मि के जीव अनेक। 'ओरएिंटल स्वीटलपि्स,' ' पैरेटफ़शि ,' 'बैटफ़शि' जैसी मछलयिां देखीं आती - जाती, एक ख़ूबसूरत रंग - रूप वाली 'न्यूडीब्रैंक' रही आसपास मंडराती।

* जनि जीवों के नाम ' बोल्ड ' अक्षरों में छपे हैं , उनके बारे में और ज़्यादा जानने के लिए कतिाब के आख़रिी पन्नों को देखें।

इस 'ट्रम्पेटफ़िश' ने ख़ुद को दूसरों की नज़र से बचाने के लिए,... 'येलो टैंग' के झुंड में अलग नज़र न आने के लिए, अपना रंग ही बदल डाला। फिर भी क्या तुमने इसे आसानी से नहीं ढूंढ निकाला?

अच्छा हुआ जो हम इस 'लॉयनफ़िश' से दूर रहे। इसके कांटे चुभने से चढ़ सकता है ज़हर!

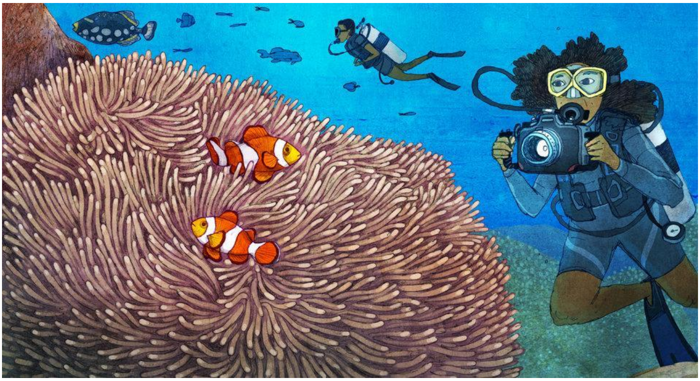

' सी अनैमॉनी ’ की आड़ में ' क्लाउनफ़िश ’ को मिलती है छत जैसी छाया। बड़ी होशियारी से करती हैं उसकी रखवाली, लेकिन आख़िरकार पास से उसकी तस्वीर खींचने का मौका हाथ आया!

हमने इस 'हनीकोम्ब मोरे ईल' को ' क्लीनर रास ' से अपने दांत साफ़ करवाते हुए देखा। इन्हीं मछलियों के एक दूसरे जोड़े ने हमारी रगड़ाई - सफ़ाई करने में भी दलिचस्पी दखिाई!

'ट्रिगरफ़िश' और 'सी अर्चिन' भी थे वहां।

हमनें एक 'कोरल ग्रुपर' को 'रीफ़ ऑक्टोपस' के साथ लुका-छिपी खेलते भी देखा।

इस खेल में ऑक्टोपस की जीत हुई। आठ पैरों वाले ये जीव जन्मजात बहरूपिये होते हैं। यूं पाइपफ़िश भी छुपने के लिए रूप बदलने में किसी से कम नहीं!क्या इस तस्वीर में दो घोस्ट पाइपफ़िश नज़र आ रही हैं?

समुद्र की तली में हमें व्हाइटटपि रीफ़ शार्क का जोड़ा भी आराम करते हुए मलिा। ये मछलयिां बड़ी ज़रूर होती हैं, लेकनि ख़तरनाक नहीं, इसलएि हम उन्हें ठीक से देखने के लएि उनके काफ़ी पास तक जा पहुंचे।

काफ़ी देर तक यह ' हॉक्सबलि टर्टल ' मूंगे के कंकालों के जमने से बनी दीवार यानी ‘कोरल रीफ़’ के आसपास भूख मटिाने के लिए एक बढ़यिा सा स्पंज तलाशता रहा और हम इसका पीछा करते रहे।

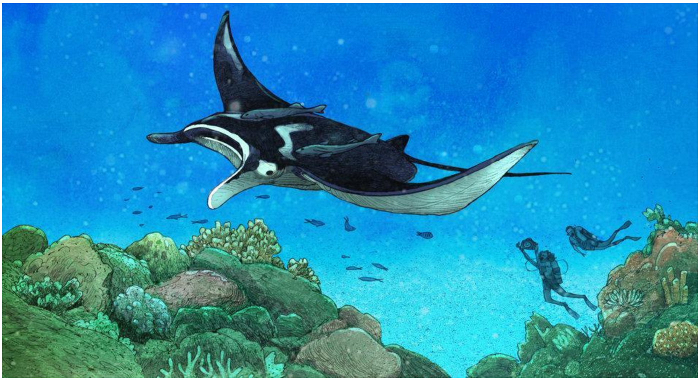

जब हम अपनी 'बोट' पर लौटने के लिए ऊपर जाने लगे, तब उड़ान भरने के अंदाज़ में तैरती मैंटा रे ने दर्शन देकर हमें रोमांचित कर दिया। दो रमोरा मछलियां इसके दोनों ओर साथ - साथ तैर रही थीं।

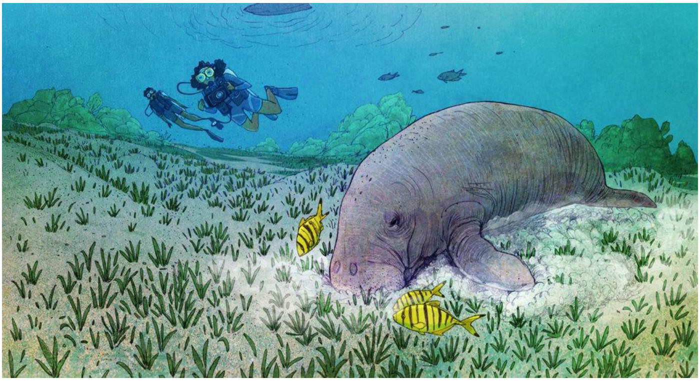

और जब समुद्र के अंदर सैर करते - करते हमारा मन गया भर, तभी हमें यह डयूगॉन्ग समुद्री घास चरती आयी नज़र।

कतिना मज़ेदार रहा समुद्र की तली की सैर का यह अनुभव! अब तो मुझे हमेशा गोताखोरी के मौके की रहेगी तलाश!

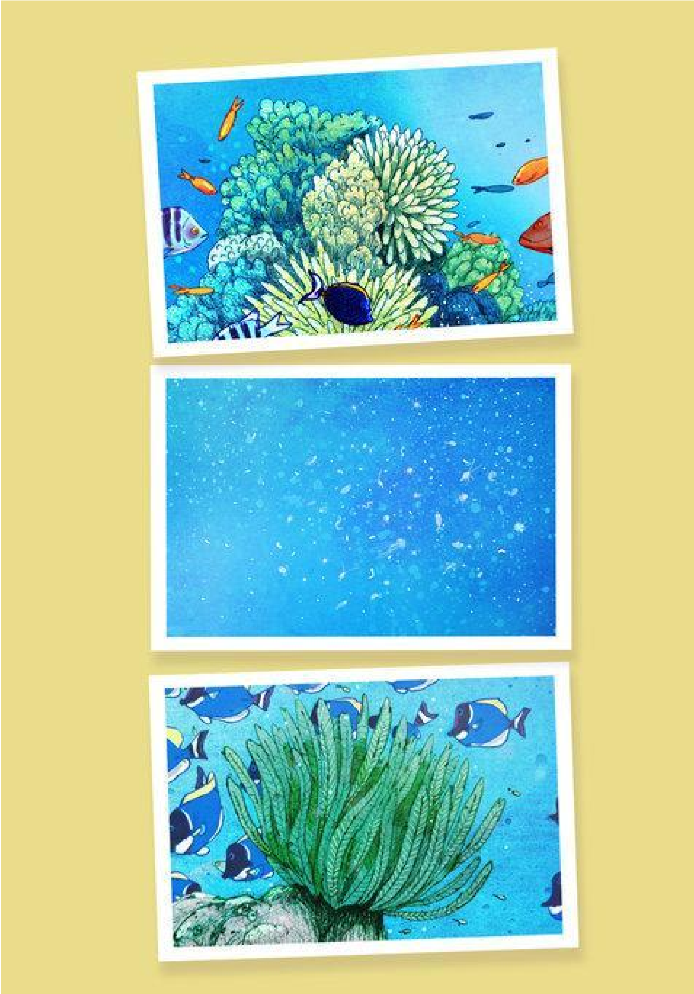

प्रवाल ऐसे जीव हैं जिन्हें वनस्पति और जंतु दोनों माना गया है। बहुत छोटे - छोटे हज़ारों काई जैसे हरे - नीले ऐल्गी यानी शैवाल इनके अंदर रहते हैं, और इन्हें पनपने में मदद करते हैं। प्रवाल का कंकाल शरीर के अंदर नहीं, बाहर होता है!... और इनके रंग - रूप होते हैं अनेक!

प्लैंक्टन अनेक समुद्री जीवों के लिए भोजन का मुख्य स्रोत है। कई किस्म की काई जैसी वनस्पतियां, जीवाणु, दूसरे सूक्ष्म जीव और बड़े समुद्री जीवों के अंडे - लार्वे जो पानी की धाराओं में बहते रहते हैं, उन्हें ही प्लैंक्टन कहते हैं।

फ़ेदर स्टार भले ही देखने में पौधों जैसे हों, लेकिन यह वास्तव में एक किस्म के जंतु यानी जानवर ही होते हैं। यह अपनी पंख जैसी दिखने वाली बाजुओं से पानी में बहते प्लैंक्टन को पकड़ - पकड़ कर चट कर जाते हैं।

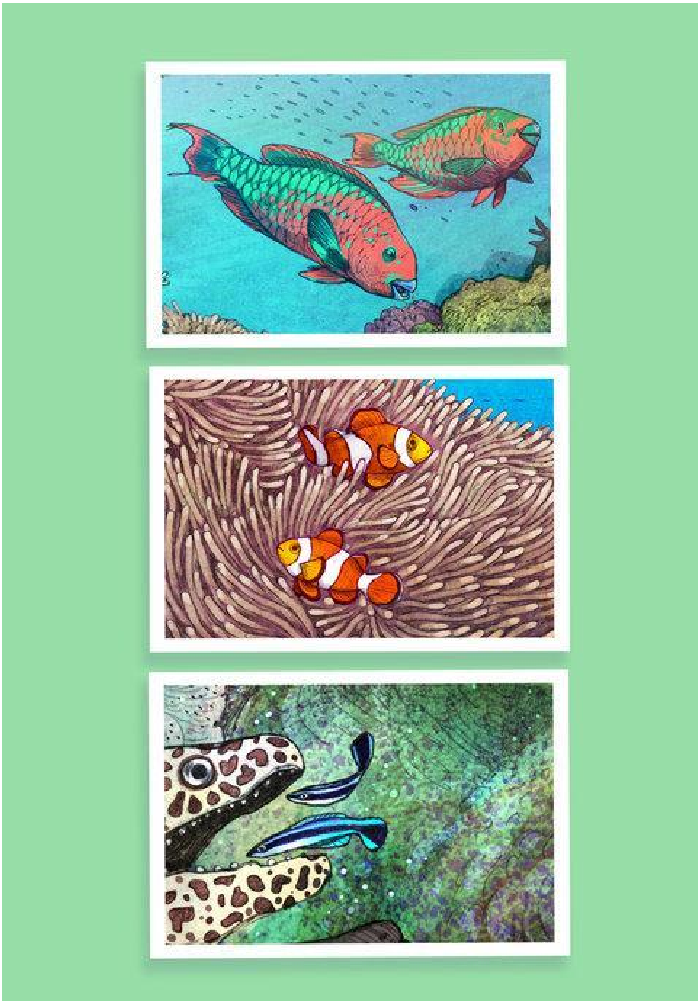

पैरेटफ़शि के दांत तोते की चोंच जैसे नज़र आते हैं। अपने बड़े और मज़बूत दांतों से ये मछलयिां सख़्त प्रवाल पर जमी काई खुरच कर खाती हैं। कुछ कसि्म की पैरेटफ़शि तो हरयिाली के साथ थोड़ा बहुत प्रवाल भी खुरंच कर खा जाती हैं। खुरंच कर खाया हुआ प्रवाल इनकी आंतों से बाहर आते-आते बारीक पसि चुका होता है,

और लहरों के साथ किनारे आकर ख़ूबसूरत 'बीच' यानी समुद्रतट की सफ़ेद रेत का हिस्सा बन जाता है।

क्लाउनफ़िश और सी अनैमॉनी हमेशा साथ रहते हैं - जैसे बने हों एक दूजे के लिए! क्लाउनफ़िश सी अनैमॉनी के लहराते हुए डंक साफ़ रखने का काम करने के साथ दूसरी मछलियों को उनकी ओर खदेड़ने की कोशिश करती रहती हैं, ताकि अनैमॉनी उन मछलियों का शिकार कर सकें। सी अनैमॉनी भी क्लाउनफ़िश से बख़ूबी दोस्ती निभाते हैं... उन्हें डंक नहीं मारते, और छुपने की जगह देकर दुश्मन से बचाते हैं।

क्लीनर रास छोटी-छोटी मछलियां होती हैं जो बड़ी-बड़ी मछलियों के शरीर से उधड़ी हुई खाल के टुकड़े और उन पर चिपके ख़ून चूसने वाले परजीवियों को चट कर जाती हैं। बड़ी मछलियां इनकी रंगत और नाचने जैसे लहराती चाल से इन्हें पहचान लेती हैं और इन्हें नुकसान नहीं पहुँचातीं।

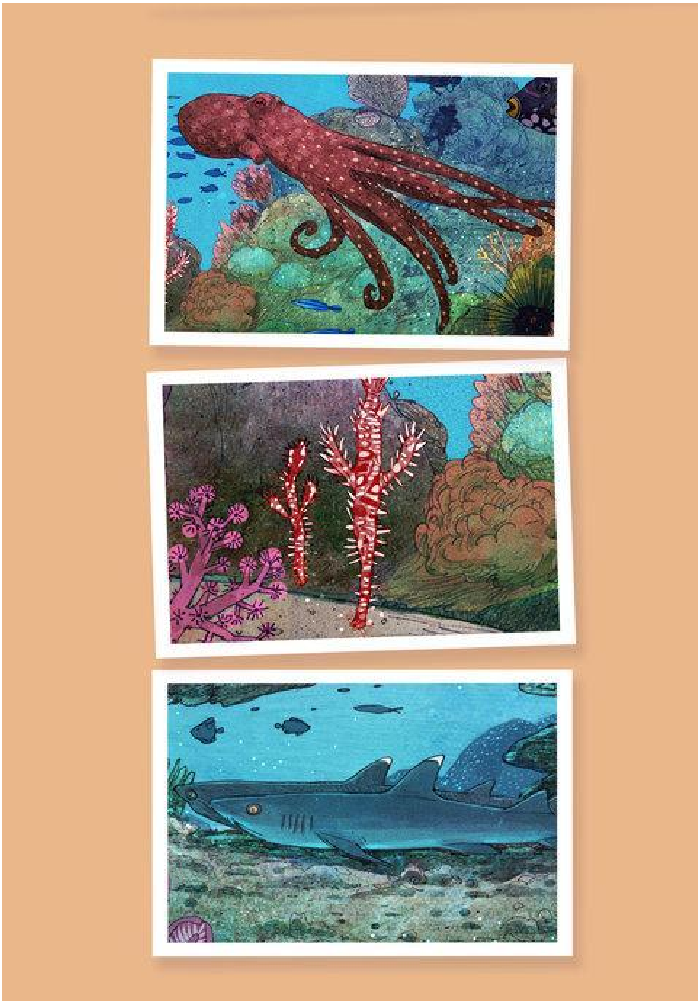

रीफ़ ऑक्टोपस दूसरों की नज़रों से बचने के लिए अपना रंग बदल लेते है! कभी चकिने और कभी खुरदुरे हो जाते हैं। यह रीफ़ यानी मूंगे कि दीवार में बनी गुफ़ाओं में रहते हैं, या फ़रि समुद्र की तली में, रेती में घुस जाते हैं!

घोस्ट पाइपफ़शि आमतौर पर जोड़े बना कर घूमती हैं। यह सरि के बल धीरे - धीरे तैरती हैं और ज़्यादातर समय समुद्री घास, प्रवाल या फ़ेदर स्टार के बीच छुपी रहती हैं। रीफ़ ऑक्टोपस की तरह यह भी आसपास के माहौल को देखते हुए अपना रंग बदल सकती हैं।

व्हाइटटपि रीफ़ शार्क का शरीर पतला और सरि चैड़ा होता है। पीठ और पूंछ वाले पंखों के सफ़ेद सरिे इनकी पहचान हैं। यह मछलयिां रात को शकिार करती हैं और दनि भर सोती हैं।

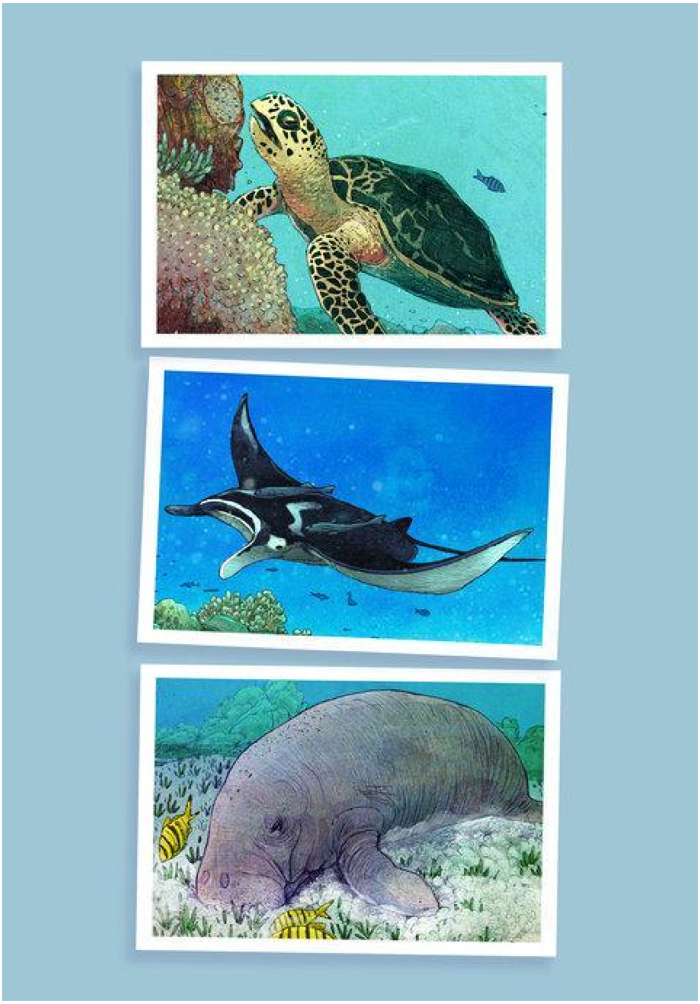

हॉक्सबलि टर्टल एक ऐसा समुद्री कछुआ होता है जसिका शरीर चपटा और कवच कनिारों पर टेढ़ा - मेढ़ा होता है, और इसके मुंह की बनावट बाज की चोंच जैसी नोकीली और घुमावदार होती है।

मैंटा रे बड़ी वशिाल मछलयिां होती हैं, जनिके पंख पक्षियों के डैनों जैसे फैले हुए होते हैं। इनकी मदद से यह पानी के अंदर बलिकुल बाज़ और गदि्ध वाले अंदाज़ में धीरे - धीरे पंख चलाते हुए आगे बढ़ती हैं। कुछ मैंटा रे के डैने तो इतने बड़े होते हैं कि एक पंख के सरि से दूसरी तरफ़ वाले पंख के सरि तक की दूरी 23 फ़ीट तक हो सकती है!

ड्यूगॉन्ग समुद्र में पाये जाने वाले सील, वॉलरस और व्हेल जैसे स्तनधारी जीव होते हैं। इनका पसंदीदा भोजन है समुद्री घास। ख़ास बनावट वाले अपने थूथन - नुमा मुंह से समुद्री घास चरते रहते हैं। इन्हें समुद्री गाय भी कहा जाता है।

PRATHAM BOOKS storyweaver

This book was made possible by Pratham Books' StoryWeaver platform. Content under Creative Commons licenses can be downloaded, translated and can even be used to create new stories - provided you give appropriate credit, and indicate if changes were made. To know more about this, and the full terms of use and attribution, please visit the following link .

Story Attribution:

This story: गहरे सागर के अंदर! is translated by Rishi Mathur . The © for this translation lies with Pratham Books, 2016. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license. Based on Original story: ' DIVE! ' , by Rajiv Eipe . © Pratham Books , 2016. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license.

Other Credits:

This book was first published on StoryWeaver, Pratham Books. The development of this book has been supported by Oracle Giving Initiative. This book was created for StoryWeaver, Pratham Books, with the support of Vinayak Varma (Guest Editor).

Illustration Attributions:

Cover page: Explorers in a coral reef , by Rajiv Eipe © Pratham Books, 2016. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license. Page 2: Explorers in a boat, heading out for a dive , by Rajiv Eipe © Pratham Books, 2016. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license. Page 3: Explorers getting ready for an underwater adventure , by Rajiv Eipe © Pratham Books, 2016. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license. Page 4: Explorers see a school of yellowback fusiliers underwater , by Rajiv Eipe © Pratham Books, 2016. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license. Page 5: Explorers looking at fascinating creatures underwater , by Rajiv Eipe © Pratham Books, 2016. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license. Page 6: Explorers watching a school of yellow tang , by Rajiv Eipe © Pratham Books, 2016. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license. Page 7: Lionfish in a coral reef , by Rajiv Eipe © Pratham Books, 2016. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license. Page 8: Clownfish guard their sea anemone home , by Rajiv Eipe © Pratham Books, 2016. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license. Page 9: A honeycomb moray eel get its teeth cleaned by cleaner wrasses , by Rajiv Eipe © Pratham Books, 2016. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license. Page 10: Triggerfish, sea urchins, coral grouper and a reef octopus in a reef , by Rajiv Eipe © Pratham Books, 2016.

Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license.
Disclaimer: https://www.storyweaver.org.in/terms_and_conditions

Some rights reserved. This book is CC--BY--4.0 licensed. You can copy, modify, distribute and perform the work, even for commercial purposes, all without asking permission. For full terms of use and attribution, http://creativecommons.org/licenses/by/4.0/
The development of this book has been supported by Oracle Giving Initiative.

This book was made possible by Pratham Books' StoryWeaver platform. Content under Creative Commons licenses can be downloaded, translated and can even be used to create new stories - provided you give appropriate credit, and indicate if changes were made. To know more about this, and the full terms of use and attribution, please visit the following link .

Illustration Attributions:

Page 11: An octopus and ghostfish in a reef , by Rajiv Eipe © Pratham Books, 2016. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license. Page 12: Explorers observe whitetip reef sharks , by Rajiv Eipe © Pratham Books, 2016. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license. Page 13: Hawksbill turtle swimming in a reef , by Rajiv Eipe © Pratham Books, 2016. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license. Page 14: Explorers watch a manta ray swim by , by Rajiv Eipe © Pratham Books, 2016. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license. Page 15: An explorer takes a photograph of a dugong , by Rajiv Eipe © Pratham Books, 2016. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license. Page 16: Explorers after a dive , by Rajiv Eipe ©

Pratham Books, 2016. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license. Page 17: Corals, plankton and feather stars , by Rajiv Eipe © Pratham Books, 2016. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license. Page 18: Parrot fish, clown fish, sea anemones and sea wrasses , by Rajiv Eipe © Pratham Books, 2016. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license. Page 19: Reef octopus, ghost pipefish and whitetip reef shark , by Rajiv Eipe © Pratham Books, 2016. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license. Page 20: Hawksbill turtle, Manta rays and dugong , by Rajiv Eipe © Pratham Books, 2016. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license. Disclaimer: https://www.storyweaver.org.in/terms_and_conditions

Some rights reserved. This book is CC--BY--4.0 licensed. You can copy, modify, distribute and perform the work, even for commercial purposes, all without asking permission. For full terms of use and attribution, http://creativecommons.org/licenses/by/4.0/

The development of this book has been supported by Oracle Giving Initiative.

गहरे सागर के अंदर! (Hindi)

इस कहानी के ज़रियै हमारे साथ समुद्र की गहराई में गोता लगाइये! हम आपको समुद्र के अंदर प्रवाल भत्त्तियों यानी मूंगे की दीवारों के अनोखे संसार की झलक दखिलाएंगे! सागर की तलहटी में वनस्पतियों के बीच रहने वाले कई कस्मि के बेहद अनोखे रंग-रूप वाले सुंदर जीवों के अनूठे संसार को देख आप हैरान रह जाएंगे!

यह पठन स्तर ३ की कताब है, उन बच्चों के लिए जो खुद पढ़ने को तैयार हैं।

PRATHAM BOOKS storyweaver

Pratham Books goes digital to weave a whole new chapter in the realm of multilingual children's stories. Knitting together children, authors, illustrators and publishers. Folding in teachers, and translators. To create a rich fabric of openly licensed multilingual stories for the children of India -- and the world. Our unique online platform, StoryWeaver, is a playground where children, parents, teachers and librarians can get creative. Come, start weaving today, and help us get a book in every child's hand!